

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री शहरी आवासीय पट्टा योजना से हितग्राहियों को मिला आवासीय अधिकार



मण्डला। नगर परिषद भुआ-बिछिया द्वारा मुख्यमंत्री शहरी आवासीय पट्टा योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आवासीय पट्टे वितरित किए गए। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी एवं उपाध्यक्ष श्री रणधीर सिंह राजपूत ने श्रीमती आरती सोनी सहित अन्य हितग्राहियों को पट्टा दस्तावेज प्रदान किए। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी ने कहा कि पट्टा मिलने से हितग्राहियों को अपने आवास पर अधिकार और सुरक्षा प्राप्त होगी। उपाध्यक्ष श्री रणधीर सिंह राजपूत ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाना प्राथमिकता है। कार्यक्रम में पार्षद श्री शशिकांत श्रीवास्तव, सहायक राजस्व निरीक्षक श्री नारायण सिंह परते, श्री मनोज निगम सहित नगर परिषद के कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

माहिष्मती घाट में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा एवं परामर्श शिविर

मण्डला। शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय मंडला द्वारा माहिष्मती घाट, मंडला में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित शिविर में रोगियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक औषधियों का वितरण किया गया। चिकित्सकों ने नागरिकों को वर्षा ऋतु में होने वाली मलेरिया, डायरिया, सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए। साथ ही आयुर्वेदीय आहार-विहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में आवश्यक परामर्श दिया गया।

गुरुजनों के आशीर्वाद के साथ अब लैपटॉप बनेगा मयंक का ‘डिजिटल गुरु’

* प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन योजना ने आसान की उच्च शिक्षा की राह।

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

शिक्षक दिवस पर मयंक कहते हैं कि जब गुरु सही राह दिखाएं और शासन प्रतिभा को संसाधनों का संबल दे, तो किसी भी विद्यार्थी के सपनों की उड़ान को पंख मिल सकते हैं। दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत और सही मार्गदर्शन जब एक साथ मिलते हैं, तो साधारण परिस्थितियों में पला-बढ़ा विद्यार्थी भी सफलता की नई कहानी लिख सकता है।



मंडला जिले के ग्राम बड़ी खैरी निवासी मयंक पटेल की कहानी इसी विश्वास को मजबूत करती है। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय मंडला से कक्षा 12वीं की परीक्षा में 90

प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले मयंक ने न केवल अपने माता-पिता का गौरव बढ़ाया, बल्कि यह भी साबित किया कि प्रतिभा को अवसर और उचित मार्गदर्शन मिले तो मंजिल दूर नहीं रहती।

वर्तमान में मयंक बीएससी एग्रीकल्चर की पढ़ाई कर अपने सपनों को नई दिशा दे रहे हैं। इस सफर में जहां उनके गुरुजनों का मार्गदर्शन उन्हें लगातार आगे बढ़ा रहा है, वहीं अन्न मध्यप्रदेश शासन की प्रतिभाशाली छात्र प्रोत्साहन योजना के माध्यम से मिला लैपटॉप उनकी पढ़ाई का नया साथी बनने जा रहा है।

शिक्षक केवल किताबों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि वे विद्यार्थियों को सपने देखने, लक्ष्य तय करने और उन्हें हासिल करने का रास्ता भी दिखाते हैं।

शिक्षक दिवस	केवल अंक नहीं, बेहतर इंसान बनाना भी शिक्षक की जिम्मेदारी:मीतेश तिवारी।
-------------	--

शिक्षा के साथ संस्कार आवश्यक

* क्यों बदलते जा रहे हैं शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच के रिश्ते।

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को समझने का भी दिन है। शिक्षा का अर्थ केवल पुस्तकीय ज्ञान हासिल करना अथवा परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करना है, जो ज्ञानवान होने के साथ संस्कारी, संवेदनशील, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बने। आज के बदलते दौर में विद्यार्थियों को विषयगत ज्ञान के साथ नैतिक शिक्षा और जीवन-मूल्यों से जोड़ना भी आवश्यक है। बच्चों को यह समझाना होगा कि सफलता केवल अच्छे अंक, ऊंचा पद या भौतिक उपलब्धियां हासिल करने का नाम नहीं है, बल्कि एक अच्छा इंसान बनना भी जीवन की बड़ी सफलता है।



विद्यार्थियों में जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करने, असफलताओं से सीखने, धैर्य बनाए रखने और निराशा के समय स्वयं को संभालने की क्षमता विकसित करना जरूरी है। जीवन में हर रास्ता आसान नहीं होता। ऐसे में हमारी भारतीय संस्कृति में

बड़ों का सम्मान, छोटों के प्रति स्नेह, माता-पिता एवं गुरुजनों के प्रति आदर, अनुशासन और समाज के प्रति जिम्मेदारी जैसे संस्कारों का विशेष महत्व रहा है। आधुनिक शिक्षा और तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बीच इन जीवन-मूल्यों को मजबूत बनाए रखना समय की आवश्यकता है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि विद्यार्थी तकनीकी रूप से सक्षम होने के साथ मानवीय संवेदनाओं से भी जुड़े रहें।

एक शिक्षक की सफलता इस बात से तय नहीं होती कि उसके विद्यार्थियों ने कितने अंक प्राप्त किए, बल्कि इस बात से होती है कि उसके विद्यार्थी आगे चलकर कितने अच्छे इंसान और जिम्मेदार नागरिक बने। देश का भविष्य केवल किताबों में नहीं, बल्कि आज की कक्षा में तैयार हो रहा है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को ज्ञान के साथ संस्कार, शिक्षा के साथ चरित्र और सफलता के साथ जिम्मेदारी का भाव भी विद्यार्थियों में विकसित करना चाहिए। “शिक्षा वह नहीं जो केवल हमें सफल बनाए, बल्कि शिक्षा वह है जो सफलता के साथ हमें एक बेहतर इंसान भी बनाए।”

जिले में भक्तिभाव के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की

* कहीं रैली तो कहीं हूआ सत्संग तो कहीं निकाली गई झांकी।

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

एकोक्त शासकीय हाईस्कूल बिंझिया में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, उमंग एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा “हरे राम, हरे कृष्णा” का सामूहिक कीर्तन किया गया। भक्तिमय कीर्तन से विद्यालय परिसर का वातावरण आध्यात्मिक एवं कृष्णमय हो गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ कीर्तन में सहभागिता की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नन्हें विद्यार्थियों द्वारा राधा-कृष्ण का मनमोहक रूप धारण करना रहा। राधा और कृष्ण के रूप में सजे बच्चों ने सुंदर वेशभूषा, मुकुट, बांसुरी एवं आकर्षक श्रृंगार के साथ अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। बच्चों का यह स्वरूप सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा और विद्यालय परिसर में उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों का

उत्साहवर्धन करते हुए उनकी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अनुशासन एवं उत्साह के साथ भाग लिया तथा अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। हरे राम, हरे कृष्णा के भक्तिमय कीर्तन, श्रीकृष्ण के गीतों, मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों एवं राधा-कृष्ण के रूप में सजे नन्हें विद्यार्थियों ने पूरे विद्यालय परिसर को भक्तिभाव और उल्लास से भर दिया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं धार्मिक मूल्यों से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। अंत में भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, राधा-कृष्ण के प्रेम एवं भक्ति तथा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े

प्रसंगों को गीत और नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यालय परिवार द्वारा सभी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। जन्माष्टमी कार्यक्रम में इस्कोन ग्रुप की भी सहभागिता रही। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर संपूर्ण नगर राधे कृष्ण के जन्म उत्सव पर झूम उठा नगर, ओर सभी मंदिरों में प्रातः काल से ही भगवान श्री कृष्ण के जन्म उत्सव पर पूजन अर्चन आरती प्रसाद का दौर सुबह से शाम तक चलता रहा राम कृष्ण मंदिर भुआ, जतीपुर, सहित नगर के सभी मंदिरों देवालयों में सभी घर परिवारों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी हर्ष उल्लास से मनाई गई। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर क्षेत्र के यादव समाज महा सभा द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विशाल शोभा यात्रा निकाली गई, प्रातः काल भुआ राम कृष्ण मंदिर में पूजन अर्चन आरती हवन प्रसाद के पश्चात नगर में बैंड बजे डीजे आतिश बाजी के साथ राम मंदिर से विशाल शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें नृत्य कार्यक्रम, चलित आर्केस्ट्रा में बालाघाट से बुलाई गई गायिका के गायन के साथ

नृत्य करते कलाकार नृत्य यांगनाए ने नगरवासियों को मंत्र मुग्ध कर दिया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर इस वर्ष समाज के द्वारा विभिन्न प्रकार की झलकियां चलित आर्केस्ट्रा और वाहनों के साथ देखी गई खाटूश्याम दरबार, नरसिंह भगवान का रौद्र रूप, के साथ कृष्ण, राधा सहित अनेक झलकियां झकियां, जिसमें बहु बलि हनुमान के साथ नृत्य करते कलाकार देखे गए। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के जन्म दिवस पर राममंदिर से निकली गई विशाल शोभा यात्रा दानिंदोला तिराहा से मुख्य सड़क मार्ग होते हुए साईं तिराहा, जनपद पंचायत परिसर से होते हुए जतीपुर राधा कृष्ण मंदिर में पूजन अर्चन के पश्चात बाजार चौक होते हुए महात्मा गांधी गेट से मुख्य बाजार से निकली वहीं देर शाम तक राम मंदिर परिसर में जाकर समाप्त हुई। नगर में बैंड ढोल धमाके के साथ निकली विशाल शोभा यात्रा का नगर में अनेक स्थानों पर स्वागत किया गया।

विगत कई दिनों से हो रही बारिश जो लगातार हो रही थी, विगत मंगलवार गुरुवार की रात तक होती रही मगर आज श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर मौसम साफ हो गया और विशाल शोभा यात्रा पर यादव समाज सहित नगर और आस पास ग्रामों से आये श्रद्धालुओं ने शोभा यात्रा का भरपूर आनंद लिया।

श्री गुरुद्वारा साहिब में धूमधाम से मनाई कृष्ण जन्माष्टमी

स्थानीय अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में श्री झूलेलाल धाम सेवा समिति एवं पुंज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में कृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। सुबह 11 बजे पूजन-अर्चन के साथ रामधुनी का शुभारंभ किया गया। दोपहर 3 बजे सामाजिक महिलाओं ने रामधुन प्रस्तुत कर भक्ति का माहौल बनाया।

रात्रि में सामाजिक कलाकारों ने श्रीकृष्ण भजनों से सजी संगीत संस्था की प्रस्तुति दी। रात्रि 12 बजे सामाजिक बच्चे बाल स्वरूप कृष्ण एवं राधा की वेशभूषा में कार्यक्रम में शामिल हुए। बच्चों ने रासलीला की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इसके बाद मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के साथ श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक आतिशबाजी की। पूरे आयोजन के दौरान श्रीकृष्ण भक्ति और धार्मिक

कृष्णमय हो गया। नगर से लगे ग्राम जहरमऊ, इन्ट्री, सरौं, ग्वारा, लफरा, सिलग्री सहित अन्य ग्रामों में भी यह पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सभी जगह रामायण के विशेष पाठ, मटकी लूट और भजन-कीर्तन के साथ देर रात तक पूजा-पाठ के कार्यक्रम चलते रहे।

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी यादव समाज में एकजुटता देखने को मिली। यादव समाज द्वारा वार्ड नंबर 13 टिकरी से भगवान श्रीकृष्ण की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में टिकरी के डीजे और अनिल बैंड के श्री शानदार प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। यह शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए नगर भ्रमण करते हुए टिकरी में ही संपन्न हुई। इस दौरान युवा डीजे की धुन पर जमकर थिरके। चलित शोभायात्रा के दौरान महाप्रसादी वितरण भी किया गया। इसी दौरान बस स्टैंड बम्हनी में जमकर आतिशबाजी की गई, जो देर रात तक आकर्षण का केंद्र बनी रही।

सरस्वती शिशु मंदिर गुरुकुल कॉलोनी में संस्था के नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित आकर्षक झकियां सजाई गईं, जो आकर्षण का केंद्र रही। साथ ही छात्र-छात्राओं ने भगवान कृष्ण के गीतों पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी।

वार्ड क्रमांक 2 में सड़क मरम्मत कार्य से आमजन को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला/मुआबिछिया

नगर परिषद भुआबिछिया क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 02 में चरंदोला उत्कृष्ट विद्यालय से सारसाडोली पहुंच मार्ग की सड़क अत्यधिक खराब हो गई थी। सड़क की खराब स्थिति के कारण बारिश के दौरान कीचड़ एवं गड्ढों के चलते आमजन को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। आमजन की सुविधा एवं आवागमन को दृष्टिगत रखते हुए नगर परिषद द्वारा मिक्स मटेरियल एवं डस्ट-मुरुम डालकर सड़क का आवश्यक सुधार एवं मरम्मत कार्य तत्परता से कराया गया। सड़क पर सामग्री डालकर समतलीकरण किए



जाने से मार्ग की स्थिति में सुधार हुआ है तथा स्थानीय नागरिकों को आवागमन में राहत मिली है। नगर परिषद के इस त्वरित कार्य से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। नागरिकों ने सड़क की समस्या का तत्काल संज्ञान लेकर मरम्मत कार्य कराने के

लिए नगर परिषद का आभार व्यक्त किया।

यह कार्य मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश कुमार मार्को के आदेशानुसार, इंजीनियर कुरैशी के मार्गदर्शन में तथा सहायक कर्मचारी कपिल नंदा एवं अवन बेसन की देखरेख में कराया गया।

नगर परिषद भुआबिछिया द्वारा आमजन की मूलभूत सुविधाओं एवं सुगम आवागमन को प्राथमिकता देते हुए आवश्यकतानुसार सड़क सुधार एवं मरम्मत कार्य निरंतर किए जा रहे हैं।

जर्जर शाला भवन की दीवार गिरी, टला बड़ा हादसा



* इमलीटोला प्राथमिक शाला भवन की हालत पर उठे सवाल।

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला/घुघरी

जिले के शासकीय स्कूलों में शाला भवनों की स्थिति को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हुए हैं। विकासखंड घुघरी अंतर्गत ग्राम पंचायत इमलीटोला

स्थित शासकीय प्राथमिक शाला के जर्जर भवन की एक तरफ की दीवार अचानक गिर गई। गनीमत रही कि घटना के दौरान कोई जनहानि नहीं हुई।

घुघरी के उप यंत्री से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाला भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए विभाग द्वारा जुलाई माह से ही विद्यालय का संचालन पंचायत के सामुदायिक भवन में कराया जा रहा है। इसके चलते दीवार गिरने की घटना के

समय विद्यार्थी भवन में मौजूद नहीं थे और संभावित हादसा टल गया।

एक ओर शासन द्वारा शासकीय विद्यालयों में बेहतर अधोसंरचना एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए लगातार राशि उपलब्ध कराई जा रही है, वहीं दूसरी ओर जिले के कुछ स्कूलों के जर्जर भवन चिंता का विषय बने हुए हैं। ऐसे भवनों में विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में भी चिंता बनी

हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिले के सभी शासकीय स्कूलों के भवनों का विभागीय स्तर पर निरीक्षण कराया जाना चाहिए। जहां भवन जर्जर स्थिति में हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत, जीर्णोद्धार अथवा आवश्यकता अनुसार नए भवन का निर्माण कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और भविष्य में किसी अप्रिय घटना की स्थिति निमित्त न हो।

आखिरकार एनटीपीसी के माध्यम से नगर को प्राप्त होने वाली सीटी स्कैन मशीन सौगात कहां हो गई गायब...

प्रभावित हुआ गाडरवारा क्षेत्र मगर सौगाते दूसरे जगहों पर दिया जाना खड़े कर रहा सवाल...?



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि जब क्षेत्र में एनटीपीसी की स्थापना हो रही थी तो सैकड़ों लोगों ने अपनी जमीनें इस सोच के चलते दी गईं थी कि उन्हें क्षेत्र में बड़े उद्योग की स्थापना के चलते जहां विकास देखने मिलेगा। वहीं दूसरी ओर क्षेत्र के बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने से नही चूकेगा..? मगर क्षेत्र के प्रभावित होंगे की यह सोच मात्र एक सपना बनकर रहते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है..? प्रभावित क्षेत्रवासियों के खाले में मात्र स्कूली बैग सहित पेन्सिल तथा खेल कूंद का आनंद ही उपलब्ध होते हुये देखा जा रहा है। जबकि प्रभावित क्षेत्र के लोग मात्र टकटकी लगाये हुये यहां से निकलने वाली धूल सहित भारी भरकम डम्फरों की चपेट में आकर बेमौत मरने के ल्यये मजबूर होते हुये देखे जा रहे हैं। जो सौगाते गाडरवारा क्षेत्र के लोगों को मिलना चाहिये थी। वह दूसरे क्षेत्रों में मिलते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है। एनटीपीसी की स्थापना को लेकर क्षेत्र के लोगों ने जिस तरह ल्वास की सोच को लेकर संजोये गये सपने एक अभिशाप के रूप में दिखाई देने से नही चूक रहे है..? इस सच्चाई के चलते कुछ साल पहले क्षेत्र के लोगों द्वारा आक्रोश व्यक्त करते हुये जब नगर के शासकीय चिकित्सालय में सुविधाओं को लेकर अपनी आवाज बुलंद की गई थी तो नगर के शासकीय चिकित्सालय में सीटी स्कैन मशीन की स्थापना हेतु एनटीपीसी पावर प्लांट के माध्यम से कुछ साल पहले 10 लाख रूपया की राशि जमा की गई थी। इस जमा की गई राशि पर क्षेत्रवासियों ने जब गौर करना शुरू किया गया था तब कोरोना महामारी की दूसरी लहर पूर्ण शबाब पर रहते हुये आमजन की जिन्दगी को धीरे धीरे निकलते चली जा रही थी और उस समय नगर के शासकीय चिकित्सालय में बड़े ही जोरों से सीटी स्कैन मशीन स्थापित करने का मुद्दा उठाया जा रहा था जिसके चलते पता

चला था कि एनटीपीसी द्वारा नगर के शासकीय चिकित्सालय में एक सीटी स्कैन मशीन के लिये घोषणा की गई थी तो बीते अप्रेल 2021 में यह बात सामने उभर कर आई हुई थी कि नगर के शासकीय चिकित्सालय में सीटी स्कैन मशीन की स्थापना हेतु 10 लाख रूपया की राशि जमा की गई है। इस संबंध में जब 16 अप्रेल 2021 में नगर शासकीय चिकित्सालय के तत्कालीन प्रभारी डा राकेश बोहरे से चर्चा की गई तो उनके द्वारा जानकारी देते हुये बताया गया था कि जैसे ही राशि प्राप्त होती है टेडर प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी। एक से दो महीने में मशीन स्थापित हो जाती है अभी चल रहे कोरोना काल व मौसमी बीमारियों के चलते उसकी ज्यादा डिमाड है। चिकित्सालय प्रबंधन को जैसी ही राशि प्राप्त होगी तो मशीन लगवा दी जावेगी। वहीं दूसरी ओर 16 अप्रेल 2021 में जब एनटीपीसी के तत्कालीन जन संपर्क अधिकारी निखिल स्वामी से चर्चा की गई थी तो उनका कहना था कि जिला प्रशासन के अनुरोध पर सीटी स्कैन मशीन के लिये एनटीपीसी द्वारा बीते हुये फरवरी माह यानि की 2021 में 10 लाख 50 हजार रूपया की राशि जिला प्रशासन के पास जमा कर दी गई है जो मशीन की कुल कीमत से 25 प्रतिशत होती है। बाकी राशि जैसे ही मशीन का आर्डर करेगे प्रदान की दी जायेगी। वहीं दूसरी ओर उस समय इस सच्चाई को लेकर जहां नगर के शासकीय चिकित्सालय प्रभारी का कहना था कि राशि प्रदान करते ही टेन्डर की प्रक्रिया शुरू कर दी जावेगी तो दूसरी ओर एनटीपीसी जन संपर्क अधिकारी का कहना था कि हमारे द्वारा जिला प्रशासन के अनुरोध पर सीटी स्कैन के लिये पैसा जमा कर दिये गये है? उस समय सबाल यह पैदा हो रहा है कि निश्चित ही एनटीपीसी द्वारा राशि को जिला प्रशासन के पास जमा किये हुये महिनों का समय बीत चुका था । मगर किसी भी प्रकार की कोई प्रक्रिया शुरू न होना निश्चित ही जिला

प्रशासन की उदासीनता का प्रमाण उजागर होने से नही चूक पा रहा था..? इस सच्चाई को जब माह अप्रेल 2021 में मीडिया द्वारा लगातार उजागर किया गया था तो इस मामले को उस समय तत्कालीन कलेक्टर भरत सिंह यादव द्वारा गंभीरता से लेते हुये उस राशि को शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा रोगी कल्याण समिति में जमा करने की बात कही गई थी? वही उस दौरान तत्कालीन जिला कलेक्टर भरत सिंह यादव ने 25 अप्रेल 2021 अपनी चर्चा में बताया गया था कि एनटीपीसी द्वारा जो राशि जमा की गई थी उसे शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा की रोगी कल्याण समिति के खाते में उस राशि को 23 अप्रेल 2021 को जमा कर दिया गया है। इससे सी.टी. स्कैन मशीन के आर्डर के लिये आगे की प्रक्रिया की जा सकेगी। इसके उपरांत जब पुनः 25 अप्रेल 2021 को नगर के चिकित्सालय के तत्कालीन प्रभारी डा. राकेश बोहरे से चर्चा की गई थी तो उनका कहना था कि जिला प्रशासन द्वारा राशि जमा किये जाने की जानकारी मिली है। मगर अब सबसे बड़ी समस्या मशीन को प्राप्त करने की है। क्योंकि जब फरवरी माह में एनटीपीसी द्वारा जिला प्रशासन के खाते में राशि जमा की गई थी उस समय सप्लायर से बात हुई थी तो वह मशीन देने के लिये तैयार था तथा उस दौरान समाजसेवी शैलेन्द्र जैन ने भी पूरा भरोसा दिलाया गया था कि यदि तत्काल राशि की जरूरत पड़ेगी तो वह सहयोग करेगा। मगर वर्तमान समय में जो स्थिति बनी हुई है उसमें मशीन का सप्लाई होना कठिन जान पड़े रहा है। शासन व बड़े स्तर पर यदि प्रयास किये जायें तो निश्चित ही सी.टी. स्कैन मशीन शीघ्र ही मिलने की उम्मीद की जा सकती है। इस संबंध में उस समय क्षेत्र की तत्कालीन विधायक श्रीमति सुनीता पटेल का कहना था कि उनके द्वारा भी इस सी.टी. स्कैन मशीन को गाडरवारा चिकित्सालय में स्थापित कराने के लिये अपने स्तर पर लगातार

प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके चलते राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा से बात करते हुये आग्रह किया गया है कि वह किसी भी तरह कही से सी.टी. स्कैन मशीन गाडरवारा शासकीय चिकित्सालय के लिये उपलब्ध कराये जिससे इस कोरोना महामारी के दौरान मरीजों को लाभ मिल सके। वहीं दूसरी ओर देश व प्रदेश की सत्ताधारी सहित अन्य राजनैतिक पार्टियों के नेताओं सहित समाजसेवियों द्वारा उपरोक्त मुद्दे को अप्रेल मई माह यानि की वर्ष 2021 के दौरान उस समय प्रमुखता से उठाया जा रहा था। जब कोरोना महामारी की दूसरी लहर घातक बन चुकी थी, जिससे अनुमान लग रहा था कि शायद अब शीघ्र ही नगर के शासकीय चिकित्सालय के लिये यह सीटी स्कैन मशीन की सौगात मिल जावेगी..? मगर जैसे जैसे कोरोना की दूसरी लहर शांत होती गई और सीटी स्कैन मशीन स्थापित करने का मुद्दा भी शांत हो गया और गौर किया जावे तो इस बात को आज लगभग चार पांच साल का समय बीत चुका है। मगर आज तक न तो नगर के शासकीय चिकित्सालय में सीटी स्कैन मशीन स्थापित हो पाई है और न ही अब नेताओं के मुंह से सीटी स्कैन मशीन की स्थापना को लेकर कोई चर्चा सुनी जा रही है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो अप्रेल 2021 में जिस तरह एनटीपीसी के जन संपर्क अधिकारी द्वारा बताया गया था कि सीटी स्कैन मशीन को लेकर उनके द्वारा जिला प्रशासन पास 10 लाख 50 हजार की राशि जमा कर दी गई जिसके चलते उस जमा की गई राशि की पुष्टि तत्कालीन कलेक्टर भरत यादव द्वारा भी किये जाने के बाद पता नही वह राशि कहा गायब हो गई या फिर किसी अन्य दूसरी कार्य में खर्च हो चुकी है, यह बात शायद ही किसी की जानकारी में हो..? क्योंकि पांच साल पहले कोरोना काल के समय जब सीटी स्कैन मशीन की स्थापना को लेकर प्रयास किये जा रहे थें उस समय मिल नही पा रही थी। मगर जब स्थापना करने के लिये काफी समय मिला तो उस मुद्दे को भुला दिया गया जिसकी शायद नगर ही नही बल्कि क्षेत्रवासियों के लिये सबसे अधिक जरूरत महसूस की जाती है और आज भी जरूरत पड़ने पर लोग सीटी स्कैन के ल्यये नरसिंहपुर या फिर अन्य बड़े महानगरों के लिये भटकने मजबूर होते हुये देखे जाते है? यदि जिम्मेदारों द्वारा समय रहते हुये निष्ठा के साथ प्रयास किये गये होते तो बीते हुये पांच साल से अधिक के लम्बे अंतराल के दौरान नगर के शासकीय चिकित्सालय में सीटी स्कैन मशीन की स्थापना हो चुकी होती..? इस तरह एनटीपीसी द्वारा मिलने वाली एक बड़ी सौगात को पूर्णरूप से भुला दिया गया है जो चर्चा का विषय ही नही बल्कि क्षेत्र के ज़म्मेदारों की उदासीनता का प्रमाण उजागर करने से नही चूक रहा है..? यह बात अलग है कि नगर के शासकीय चिकित्सालय को विकास के नाम पर लाखों रूपया की राशि खर्च करते हुये रई नवेली दुल्हन की तरह सजा तो दिया गया है। मगर आज भी मरीजों को जरूरी सुविधाओं के आभाव के चलते परेशान होते हुये देखा जाना आम बात है।

अनूटे संयोग से शहर में मना मुरलीधर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। माधुर्य रस की वर्षा कर भक्तों को कर्म पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देने वाले भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव शुक्रवार को विशेष संयोगों के चलते शहरवासियों ने अपने घरों में बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। बताया जाता है कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभ बेला में जहां सुबह से लोगों के घरों व मंदिरों में श्रीकृष्ण भक्ति की रंगत छाने लगी थी। वहीं दूसरी ओर नट खट कन्हैया की मनोहर झांकियां भक्तों द्वारा अपने घरों के अंदर सजायी गई थी। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के चलते नगर में यादव समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। श्वाक्षण संस्थाओं में भी धूमधाम के साथ जन्माष्टी त्यौहार मनाते हुये सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। जन्माष्टमी के अवसर पर नगर के बाजार में भी भगवान श्रीकृष्ण की पूजा सामग्री, मिठाईयां, फूलों व फलों की दुकानों पर भीड़ भाड़ जूटने से व्यापारियों के चेहरे दमकते हुए नजर आ रहे थें तथा बच्चे, युवा

वृन्दावन के कृष्ण कहैया का जय घोष करते हुए जन्माष्टमी पर्व धूमधाम के साथ अपने उत्साह का इजहार करने में लगे हुये देखे जा रहे थें। अनेक घरों में देखने मिला की नन्हें मुन्ने बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण का स्वरूप देते हुये उनका पूजन करते हुये अनेक प्रकार के भोग लगाये गये।वहीं दूसरी ओर समीपस्थ सालीचौका भगवार श्रीराधाकृष्ण मंदिर में भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के मौके पर अनेक प्रकार के कार्यक्रम आयोजित हुये। इस तरह शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों द्वारा अपने घरों में श्रद्धा के साथ मुरलीधर भगवान श्रीकृष्ण का त्रत रथ विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करते हुए हत्थी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की बोलते हुए प्रसाद वितरण करने के बाद नगर के मंदिरों में जाकर भगवान श्रीकृष्ण का दर्शन पूजन कर धर्मलाभ लिया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर शहर के यादव समाज बंधुओं के घरों में जहां भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजन, आरती

हुई। इस प्रकार से शहर में विशेष रूप से जन्माष्टमी के अवसर पर तोरण द्वारा, विद्युत मालाओं से सजे मंदिरों में रात को भगवान श्रीकृष्ण की मनमाहक झांकियां निहार आनंद लाभ प्राप्त करने वाले श्रद्धालुओं ने भगवान की झांकियों के दर्शन किये। इस मौके पर प्रतिवर्ष होने वाले भंजन सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित हुये। वहीं जन्माष्टमी के मौके पर मंदिरों में अपनी लीलाओं से भक्तों को रिक्षाने वाले भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजन, महाआरती की गई तथा भक्तों को मिष्ठान, पंजीरी, केला, ककड़ी, पंचमृत का महा प्रसाद वितरित किया गया। वहीं दूसरी ओर नगर में अनेक जगहों पर जन्माष्टमी के मौके पर मटकी फोड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नगर संकट मोचन हनुमान मंदिर सहित विजय कालोनी व पानी टंकी के पास विशाल मटकी फोड प्रतियोगिता आयोजन की गई जिसमें समाचार लिखे जाने तक मटकी फोडने का कार्यक्रम जारी था।

सालीचौका क्षेत्र में गांव गांव विक्रय हो रही शराब से बर्बदी की कगार पर पहुंची रहीं युवा पीढ़ी

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। नशे से सामाजिक माहौल विकृत हो रहा है। शराब की सेवन की जुग में विवाहों की घटनाएं सामने आ रही हैं। क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि नशा परिवारों में कलह का कारण बन रहा है, शहर और क्षेत्र की युवापीढ़ी तेजी से इस नशे की गिरफ्त में आकर अपना भविष्य बर्बाद कर रही है। यह बात अलग है कि पुलिस प्रशासन द्वारा अये दिन नशा मुक्ति की रैली निकालते हुए लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। मगर सही मायने में देखा जावे तो पुलिस द्वारा किये जाने वाली यह पहल मात्र औपचारिकता के आलवा और कुछ जान नही पड़ रही है। अक्सर देखा जाता है कि मंचों से अधिकारियों से लेकर समाज सेवी संस्थाओं द्वारा नशामुक्ति दिवसों पर बड़े बड़े भाषण देते हुए नशा से दूर रहने की बात कही जाती है। मगर वहीं दूसरी ओर गौर करने वाली बात तो यह है कि आज शहर से लेकर गांवों में भी अवैध रूप से जिस प्रकार शराब की बिक्री हो रही है तो निश्चित तौर से अधिकारियों द्वारा चलाये जाने वाले अभियान अपने आप ही सबालों के घेरे में आने से नही चूक पाते है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय सालीचौका क्षेत्र में देखने मिल रही है। हाल यह बना हुआ है कि सालीचौका क्षेत्र का शायद ही कोई इस तरह से देखने मिल सकता है जहां पर खुलेआम शराब की अवैध बिक्री होते हुये दिखाई न दे रही हो..? सही मायने में देखा जावे तो गांव गांव अघोषित रूप से शराब के ठेके खुलेआम नजर आने से नही चूक पा रहे हैं। मगर हैरत इस बात की है कि आधिकार अवकारी विभाग द्वारा इस सच्चाई को जिस तरह से नजर अंदाज किया जा रहा है उससे शराब का अवैध कारोबार करने वालों के प्रति आक्कारी विभाग की भूमिका संरक्षण की मुद्रा में प्रतीत होने से नही चूक पा रही है..? क्षेत्र के अनेक गांवों में खुलेआम अवैध शराब की बिक्री होने का परिणाम है कि इसके सेवन का शौक युवाओं में बढ़ता जा रहा है। इस सच्चाई को देखते हुये अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या शराब माफियों के समाने पेहेरेदारों ने अपना सिर झुका लिया गया है जिसके चलते वह अपने इस अवैध कारोबार को खिन्न दुगुना रात चौकना बढ़ाने में पीछे नही रह रहे है। यह बात अलग है कि आये दिन पुलिस द्वारा

शराब पकड़ने की कार्रवाई करते हुये देखी जाती है और पुलिस द्वारा जिस तरह देशी व अंग्रेजी शराब पकड़ने हुये कार्रवाई की जाती है। मगर इस बात का पता लगाने में कानून के रखबाजों को सफल होते हुये वही देखा गया है कि उनके द्वारा पकड़ी गई शराब आरोपी लेकर कहा से आया हुआ था। क्योंकि देशी व अंग्रेजी शराब को कांई भी आरोपी अपने घर में तो बना नही सकता है। इस स्थिति में निश्चित तौर से वह इतनी अधिक मात्रा में शराब किसी बड़े ही सौदागर से लेकर आया हुआ होगा..? जबकि शासन के नियम अनुसार जिन लोगों को शराब बिक्री के जिम्मेदारी सौंपी जाती है वह लोग इसका सेवन करने वाले व्यक्ति को नश्वरित मात्रा से अधिक नही दे सकते है। मगर जिस तरह गांवों में खुलेआम शराब की बिक्री होते हुये देखी जा रही है उससे यह बात स्पष्ट होने से नही चूक रही है कि शराब के बड़े सौदागरों द्वारा खुद ही गांवों में अपनी अघोषित दुकाने खोलेकर इस अवैध कारोबार को बढ़ावा देने में पीछे नही है..? यदि समय समय पर अवैध शराब के साथ पकड़े जाने वाले लोगों से पुलिस द्वारा सखी से दृष्टताउ करते हुये इस बात का पता लगाने का प्रयास किया गया होता कि जो शराब उनके पास से पकड़ी गई इसको वह लेकर कहा से आये हुये थे। इससे निश्चित तौर से शराब के बड़े सौदागरों की पोल खुलने के साथ साथ शराब के अवैध कारोबार से अंकुश लग सकता था..? मगर हैरत इस बात की देखी जा रही है कि जहां क्षेत्र से लेकर फिले के किसी भी कोने में घटित होने वाले घटनाओं को लेकर जिस तरह पुलिस अधिकारियों को अपनी सफलता का खुलासा किये जाने के दौरान बताया जाता है कि उनके द्वारा यह सफलता डिजील व सायरल टीम की मदद से आरोपियों तक पहुंचने में उपलब्धि हासिल की गई है तो फिर पुलिस की डिजील सफलता गांव गांव शराब पहुंचाने वाले सौदागरों की खोजने में असफल क्यों हो रही है..? यदि नशे की सच्चाई पर गौर कि जावे तो शहर से लेकर गांवों में शाम से देर रात युवाओं के डगमग कदमों का नजर देख क्षेत्रवासियों को आन अहसास होने लगा है कि नशा विरोधी बालाकरण मंचों से शायराने अंदाज में भाषण देने से कुछ नही होगा..?

आज मिलेगा क्षेत्र के शिक्षक मनीष शंकर को राज्य स्तरीय सम्मान



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। आज 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश की राजधानी मोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार -2026 हेतु शिक्षकों की चयन सूची आयुक्त लोक शिक्षण द्वारा जारी की गई है। इस सूची में जिले से 2 शिक्षकों का चयन राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार - 2026 हेतु किया गया है। इस सूची में गाडरवारा क्षेत्र से माध्यमिक श्रेणी वर्ग (कक्षा 9 से 12) में मनीष शंकर तिवारी माध्यमिक शिक्षक शासकीय सांदिपनी विद्यालय साईंखेड़ा का चयन हुआ है। इस मौके पर शिक्षक स्वर्ण जयंती आडीटोरियम मोपाल में आज 5 सितंबर को मनीष शंकर तिवारी को राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया जावेगा। इस तरह तिवारी को राज्य स्तरीय सम्मान मिलने से निश्चित तौर क्षेत्र का गौरव बढ़ने से नही चूकेगा। वहीं दूसरी ओर शिक्षक तिवारी के साथियों में काफी हर्ष देखने मिल रहा है।

अन्नदाता की मेहनत पर प्रकृति मार फिर देने लगी दिखाई, सोयाबीन फसल में पीला मौजिक से चिंता में दिखाई दे रहे किसान



हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। अन्नदाता के ऊपर जिस तरह प्रकृति की मार पड़ते हुये देखी जा रही है उसके चलते सभी का पेट भरने वाला किसान परेशानियों से नही उभर पा रहा है। इस समय देखा जावे तो जहां लोग मौसम बीमारियों के चपेट में आने के चलते परेशान हो रहा है तो दूसरी ओर किसानों द्वारा कुछ माह पहले विक्रय की गई शासन को अपनी मूंंग फसल का भुगतान नही मिलने के कारण जरूरी जरूरतों को पूरा करने के लिये कर्जदार बनते हुये देखा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर किसानों को उम्मीद है कि उसके खेतों में खड़ी हुई गन्ना सहित धान व सोयाबीन को फसल से वह अपनी परेशानियों से निजात पा लेगा। मगर सोयाबीन की फसल जिस तरह पीला मौजिक बीमारी की श्वाकायत होते हुये देखी जा रही है उसके चलते अन्नदाता के चेहरे की मुस्कान गायब होने से नही बच पा रही है। क्योंकि काफी मेहनत के साथ जिस तरह किसानों ने पैसा खर्च करते हुये अपने खेतों में सोयाबीन फसल लगाई गई थी। मगर पीला मौजिक बीमारी के चलते फसल को पीला होते हुये देखा जा रहा है उसके चलते ऐसा प्रतीत होने से नही चूक पा रहा है कि किसानों द्वारा सोयाबीन फसल को लगाने में जो लागत लगाई गई वह खड़ी हो जावे तो बड़ी बात होगी।



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र के विकासखंड साईंखेड़ा एवं चीचली के अंतर्गत विभिन्न शासकीय विद्यालयों में डीपीआई के आदेशानुसार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए मटकी फोड, रंगोली, नृत्य, चित्रकला, गीता श्लोक वाचन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के अवसर पर संस्था के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनकी बाल लीलाओं से जुड़े



विभिन्न प्रसंगों को अपनी कला और रचनात्मकता के माध्यम से प्रस्तुत किया। जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालयों में विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कुछ स्कूलों में विद्यालय परिसर में आकर्षक रंगोलियां बनाई एवं भारतीय संस्कृति, परंपरा और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े संदेशों को भी अभिव्यक्त किया गया। वहीं कुछ स्कूलों में मटकी फोड प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। जन्माष्टमी के अवसर पर स्कूली बच्चों ने उत्साह और उमंग के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मटकी फोड कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसरों में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। जानकारी के अनुसार विकासखंड चीचली के सालीचौका, सूखाखेरी शासकीय प्राथमिक शाला रहमा, शासकीय प्राथमिक शाला सलगपुर, शासकीय माध्यमिक शाला बैरागढ़, बारहबड़ा, पलेरा, शासकीय प्राथमिक शाला गाराई, हीरापुर, शासकीय प्राथमिक शाला नारगी, शासकीय माध्यमिक शाला करपगांव, शासकीय प्राथमिक शाला रामखेड़ी एवं शासकीय प्राथमिक शाला ग्वारी सहित अन्य स्कूलों एवं साईंखेड़ा ब्लॉक के गाडरवारा, साईंखेड़ा,आमगांव छोटा,



बहौरी कलाँ, सांगई, धोखेड़ा, भोरगढ़, जमाड़ा, चामचौन, टिमरावन सहित अन्य स्कूलों में जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर मटकी फोड एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में विद्यार्थियों ने बड़-चढ़कर भाग लिया। कहीं विद्यार्थियों ने आकर्षक रंगोलियां बनाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया, तो कहीं मटकी फोड प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक सहभागिता कर श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की झलक प्रस्तुत की गई। वहीं दूसरी ओर शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी भी दी गई तथा भारतीय त्योहारों और परंपराओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर विद्यालयों में आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति रूचि विकसित करने के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता, सामूहिक सहभागिता, नेतृत्व क्षमता और खेल भावना को प्रोत्साहित करना रहा। जन्माष्टमी के आयोजन से विद्यालयों में उत्साहपूर्ण एवं आनंदमय वातावरण निर्मित हुआ। बताया जाता है कि कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अनुशासन, उत्साह और सहभागिता का परिचय देते हुए पर्व की खुशियों को साझा किया गया।



खबर संक्षेप

अज्ञात व्यक्ति पर हत्या का प्रकरण पंजीबद्ध

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बहैरा में एक सितंबर की रात खेत में सदिग्ध अवस्था में मिली वृद्ध महिला की लाश के मामले में मर्ग जांच एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध बीएनएस की धारा 103(1) 103, 3 (1) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस के अनुसार मर्ग जांच में मुक्तिका के पुत्र अंशराम बनवासी पिता रत्न, दोली राम बनवासी उम्र 34 वर्ष एवं परिजन भगवत बनवासी पिता कमलाल 10 बजे मृत्यु थी, जो शाम 6 बजे घर वापस नहीं आई तो परिजनों द्वारा तलाश की गई। रात करीबन 8 बजे कमला बाई का शव उसके खेत में मृत अवस्था में मिला, जिसके सिर व चेहरे में काफ़ी चोट थी। कमला बाई की हत्या किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा करवा बताया गया। मर्ग जांच में प्रथम दृष्टया मुक्तिका कमला बाई की मृत्यु अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोट पहुंचाने के कारण होना पाया गया है।

ऑटो अनियंत्रित होकर पलटा, तीन यात्रियों को आई चोट

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत जोगी टिकरिया पुल के पास ऑटो पलटने से तीन लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जिला चिकित्सालय चौकी पुलिस को दिए कथन में कैलाशनाथ पिता रामकुमार बनाफर 59 वर्ष निवासी जोगी टिकरिया ने बतलाया कि गुरुवार को मैं अपने गांव के जितेन्द्र यादव के ऑटो क्रमांक एमपी 52 आर 1849 से अपने घर ग्राम जोगी टिकरिया जाने के लिए पेट्रोल पंप के पास डिंडौरी से बैठा था। ऑटो में पहले से मेरा भतिजा नमन नाथ बनाफर एवं अजय सोनी बैठे थे। ऑटो जितेन्द्र यादव चला रहा था। शाम करीबन 06.45 बजे मिड वे ट्रीट होटल के पहले ओटो चालक जितेन्द्र यादव ने अपनी ऑटो को रोड पर ही पलटा दिया। ऑटो में सभी लोग दब गए। रास्ते से आने जाने वाले लोगों ने सभी लोगों को बाहर निकाला एवं एक प्राइवेट कार से जिला अस्पताल लाकर ईलाज के लिये भर्ती किये। दुर्घटना में मुझे, नमन नाथ एवं ऑटो चालक जितेन्द्र यादव को चोटें आई है। अजय सोनी मौके से घर चला गया।

रेस्क्यू दल ने खोजा तालाब में युवक का शव

अनूपपुर। जिला मुख्यालय अनूपपुर से 11 किलोमीटर दूर स्थित लखनपुर गांव में गुरुवार की शाम से 21 वर्ष युवक लापता रहा, शुक्रवार की सुबह लापता युवक की चपपल घर के पीछे स्थित तालाब के पास मिलने पर तालाब में डूब जाने के संदेह पर आपदा प्रबंधन के रेस्क्यू दल ने 16 घंटे बाद खोजबीन के दौरान युवक का शव तालाब के अंदर डूबे हुए स्थिति में बरामद कर पुलिस को सौंपा। जिला मुख्यालय अनूपपुर से 11 किलोमीटर दूर स्थित लखनपुर गांव के वार्ड क्रमांक 7 शंकर मंदिर के पास के निवासी विरंजन पटेल जो ग्राम पंचायत लखनपुर में रोजगार सहायक के पद पर पदस्थ हैं के 21 वर्षीय बालक प्रतीक उर्फ आकार पटेल जो 3 सितंबर गुरुवार की शाम 6.30 बजे से घर से लापता होने पर परिजनों एवं ग्रामीण जनों द्वारा विभिन्न माध्यमों से पूरी रात खोजबीन की किंतु रात भर युवक का कहीं पता नहीं चल सका।

शुक्रवार के दिन घर से कुछ दूर पर स्थित अमहाई तालाब के मेढ में युवक की चपपल पड़े होना दिखने पर परिजनों एवं ग्रामीणों द्वारा कोतवाली पुलिस को युवक के तालाब के अंदर पलने में डूब जाने का संदेह व्यक्त करते हुए खोजबीन कराए जाने की मांग पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के एसडीओ आरएफ आपदा प्रबंधन के रेस्क्यू दल को घटना की सूचना दिए जाने पर रेस्क्यू दल प्रभारी रामनरेश भवेदी अपने 8 सदस्यीय रेस्क्यू दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर अमहाई तालाब में विभिन्न माध्यमों से खोजबीन की जिस पर शुक्रवार की दोपहर लापता युवक का शव तालाब के अंदर गहरे पानी में मिलने पर रेस्क्यू कर बाहर निकाल कर मृतक के शव को कोतवाली पुलिस को सौंपा सहा, उा निरीक्षक महिपाल प्रजापति पुलिस दल के साथ स्थल पर मुक्त के शव का पंचनामा कर साक्ष्यों के कथन लेते हुए मृतक के शव का जिला चिकित्सालय अनूपपुर में ड्यूटी डॉक्टर से पीएम कराने बाद शव के कफन दफन हेतु परिजनों को सौंपा। मृत युवक प्रतीक पटेल आईटीआई अनूपपुर में अध्ययनरत रहा है जो होनहार एवं अध्यापन करने विशेष उद्ये रखने से पूरे विद्यालय में अपना एक अलग स्थान बनाकर रख रहा है।

जन्माष्टमी पर कृष्ण भक्ति में रंगा डिंडौरी

डिंडौरी। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बहैरा में एक सितंबर की रात खेत में सदिग्ध अवस्था में मिली वृद्ध महिला की लाश के मामले में मर्ग जांच एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध बीएनएस की धारा 103(1) 103, 3 (1) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस के अनुसार मर्ग जांच में मुक्तिका के पुत्र अंशराम बनवासी पिता रत्न, दोली राम बनवासी उम्र 34 वर्ष एवं परिजन भगवत बनवासी पिता कमलाल 10 बजे मृत्यु थी, जो शाम 6 बजे घर वापस नहीं आई तो परिजनों द्वारा तलाश की गई। रात करीबन 8 बजे कमला बाई का शव उसके खेत में मृत अवस्था में मिला, जिसके सिर व चेहरे में काफ़ी चोट थी। कमला बाई की हत्या किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा करवा बताया गया। मर्ग जांच में प्रथम दृष्टया मुक्तिका कमला बाई की मृत्यु अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोट पहुंचाने के कारण होना पाया गया है।

बजाग में पेयजल संकट गहराया, पुरानी सप्लाई बंद और नई योजना भी अधूरी

डिंडौरी। तहसील मुख्यालय बजाग में पेयजल व्यवस्था को लेकर जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। एक ओर जहां कस्बा की पुरानी नल-जल सप्लाई पिछले करीब पांच माह से बंद पड़ी है, वहीं करोड़ों रुपये की लागत से तैयार की जा रही नई नल-जल योजना भी अधूरी है। ऐसे में बजाग वासियों की पर्याप्त शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है और बारिश के मौसम में भी लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। नगर की आधी से अधिक आबादी नल-जल सप्लाई पर निर्भर बताई जा रही है। लंबे समय से सप्लाई बंद होने के कारण लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। कई परिवारों को दूर-दराज से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। वहीं कुछ लोग नदी-नालों के पानी का सहारा लेकर सफ़ाई के पानी का सहारा लेकर भी मजबूर हैं। बारिश का पानी भी लोग घरों में बर्तन और अन्य साधनों में एकत्र कर घरेलू कार्यों में उपयोग कर रहे हैं। नई नल-जल योजना के तहत नगर में पाइपलाइन बिछाने का काम तो शुरू किया गया, लेकिन कई स्थानों पर काम आधा-अधूरा छोड़ दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा काम बंद कर दिए जाने के बाद पाइपलाइन कई जगह महज शोपीस बनकर रह गई है। कई



मोहल्लों में पाइप जमीन की सतह के ऊपर दिखाई दे रही है, जबकि कई जगह कम गहराई के गड्ढे खोदकर पाइप डालने का काम भी अधूरा छोड़ दिया गया है। राम मंदिर मोहल्ले के रहवासियों का कहना है कि सड़क के दोनों ओर पाइपलाइन बिछाई जानी थी, लेकिन सड़क के बीच से मशीन द्वारा खुदाई कर एक ही पाइप डालकर दोनों ओर कनेक्शन निकालने का प्रयास किया गया। इससे पाइपलाइन की गुणवत्ता और भविष्य की व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोक सेवा केंद्र के पास खुला छोड़ा गड्ढा ग्रामीणों के अनुसार लोक सेवा केंद्र के समीप पाइपलाइन डालने के लिए खोदा गया गड्ढा भी काम पूरा किए बिना खुला छोड़ दिया गया है। बारिश के मौसम में यहां पानी भरने से दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। लोगों का कहना है कि जिम्मेदारों द्वारा अधूरे कार्य को तत्काल पूरा कराने के बजाय लापरवाही बरती जा रही है। आवास मोहल्ले में पाइप लाइन बिछाने के दौरान पहले से बनी नाली में ऊपर तक मिट्टी भर दी

गई जिससे बारिश का पानी सड़कों पर जमा हो रहा है और कीचड़ मच रहा है नई पाइपलाइन बिछाने के दौरान कई मोहल्लों में खोदी गई मिट्टी को भी व्यवस्थित नहीं किया गया है। कहीं घरों के सामने पाइप निकालकर छोड़ दी गई है तो कहीं पाइप और खुदाई के कारण लोगों को अपने घरों तक पहुंचने में परेशानी हो रही है। कई स्थानों पर अधिक गहराई तक खुदाई किए जाने से बारिश का पानी गड्ढों में जमा हो रहा है। वहीं नालियां जाम होने के कारण घरों के आसपास जलभराव की स्थिति भी निर्मित हो रही है। **पानी के साथ अधूरी योजना ने बढ़ाई परेशानी** नगर वासियों का कहना है कि उन्हें उम्मीद थी कि नई नल-जल योजना शुरू होने के बाद पेयजल संकट से राहत मिलेगी, लेकिन फिल्टर प्लांट समेत योजना का काम ही पूरा नहीं होने से उम्मीदों पर पानी फिर गया है। पुरानी योजना बंद है और नई योजना अभी चालू नहीं हुई। ऊपर से अधूरी पाइपलाइन और जगह-जगह खुले गड्ढे आमजन के लिए नई मुसीबत बन गए हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि पुरानी नल-जल व्यवस्था को तत्काल बहाल किया जाए, नई योजना के अधूरे कार्य को जल्द पूरा कर फिल्टर प्लांट शुरू कराया जाए तथा बेतरतीब तरीके से बिछाई गई पाइपलाइन, खुले गड्ढों और जलभराव की समस्या का भी निराकरण कराया जाए। ग

प्रधानमंत्री आवास योजना में लापरवाही पर परियोजना अधिकारी की संविदा सेवा समाप्त

डिंडौरी। प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों में लगातार लापरवाही, निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति नहीं होने तथा कार्यालय एवं समीक्षा बैठकों से लगातार अनुपस्थित रहने के मामले में जिला पंचायत अनूपस्थित रहने के मामले में जिला पंचायत डिंडौरी ने कड़ी कार्रवाई की है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने परियोजना अधिकारी (संविदा) सी.एस. सिंह की संविदा सेवा समाप्त कराने के आदेश जारी किए हैं।सी.एस. सिंह को जनपद पंचायत करंजिया में प्रधानमंत्री आवास योजना की बेहद कम प्रगति में सुधार और योजना की प्रगामी मॉनिटरिंग के लिए 8 अप्रैल 2026 को संलग्न किया गया था। उन्होंने 11 अप्रैल को जनपद पंचायत करंजिया में उपस्थिति दर्ज कराई, लेकिन इसके बाद भी प्रधानमंत्री आवास

योजना ग्रामीण और जन्मन आवास योजना के कार्यों की अपेक्षित मॉनिटरिंग नहीं की गई। जिला स्तर पर प्रतिदिन आयोजित होने वाली जून वीडियो कॉन्फ्रेंस में भी उनकी लगातार अनुपस्थिति सामने आई। जनपद पंचायत करंजिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा प्रस्तुत उपस्थिति पत्रक के अनुसार सी.एस. सिंह अप्रैल में महज तीन दिन और मई में चार दिन उपस्थित रहे। वहीं जून और जुलाई में वे पूरे माह अनुपस्थित रहे। कार्य के प्रति उदासीनता और बिना सूचना अनुपस्थित रहने को लेकर उन्हें पूर्व में कई बार कारण बताओ नोटिस दिए गए थे। जिला पंचायत करंजिया में प्रधानमंत्री आवास योजना की निर्गमित मॉनिटरिंग नहीं करने और बिना सूचना अपने गृह जिले बनारस चले

जाने के मामले में भी अप्रैल में कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। उन्हें संविदा सेवा शर्तों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई थी।जिला पंचायत के आदेश के अनुसार लगातार निर्देश और चेतावनियां दिए जाने के बावजूद उनकी कार्यप्रणाली में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। उनके द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण को भी संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा संविदा पर नियुक्त अधिकारी-कर्मचारियों की सेवा शर्तों के संबंध में जारी 22 जुलाई 2023 के दिशा-निर्देशों के बिंदु क्रमांक 9.8 के तहत उनकी संविदा सेवा समाप्त करने की कार्रवाई की गई। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

शहपुरा-श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर नगर में हर तरफ उत्साह और भक्ति का माहौल देखा गया। इस अवसर पर स्थानीय प्राचीन श्री राम जानकी मंदिर से एक विशाल एवं भव्य चल समारोह (शोभायात्रा) का आयोजन किया गया। चल समारोह में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने नगर को पूरी तरह कृष्णमय बना दिया।आकर्षक झांकियां और बाल-गोपाल रहे केंद्र बिंदु चल समारोह की शुरुआत मंदिर

परिसर में विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती के बाद हुई। समारोह में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र पर आधारित कई आकर्षक और जीवंत झांकियां शामिल थीं। विशेष रूप से नन्हें-मुन्हें बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की मनमोहक वेशभूषा में सजे हुए थे, जो सभी के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे।

चचाई पुलिस की तत्परता से दो गुम बालिकाएं सुरक्षित बरामद, परिजनों को सौंपा

अनूपपुर। थाना चचाई पुलिस ने अलग-अलग मामलों में गुम हुई दो बालिकाओं को लगातार पतासाजी और अथक प्रयास के बाद सुरक्षित दस्तयाब कर उनके माता-पिता के सुपुर्द किया। एक बालिका को भोपाल और दूसरी को अहमदाबाद से बरामद किया गया। पहले मामले में अमलाई मोहाड़ा निवासी फरियादी ने अपनी पत्नी और बेटी के लापता होने की सूचना थाना चचाई में दी थी। पुलिस ने गुम इंसान क्रमांक 31/19 दर्ज कर जांच शुरू की। लंबे समय से की जा रही पतासाजी के

दौरान पुलिस टीम ने 2 सितंबर 2026 को भोपाल शहर से गुम बालिका को सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों को सौंप दिया। इसी तरह दूसरे मामले में डीडी कॉलोनी चचाई निवासी महिला ने 19 मई 2026 को अपनी पुत्री के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। युवती शहडोल कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी और 16 मई को कॉलेज जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। पुलिस ने गुम इंसान क्रमांक 17/26 दर्ज कर जांच शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 3 सितंबर

2026 को अहमदाबाद (गुजरात) से युवती को सुरक्षित दस्तयाब किया और आवश्यक कार्रवाई के बाद माता-पिता के सुपुर्द कर दिया। दोनों मामलों में कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनूपपुर आईपीएस विक्रांत मुराब के कुशल निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी नवीन कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में की गई। इसमें थाना प्रभारी निरीक्षक फूलवती अहिरवार, उपनिरीक्षक किरण मिश्रा तथा प्रधान आरक्षक सुखसेन एवं शिव प्रसाद की सराहनीय भूमिका रही।

अनूपपुर, डिंडौरी हरिभूमि



विभोर कर दिया।मंदिर परिसर में सजे आकर्षक वातावरण और भक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की। जैसे ही भजनों के सुरों में राधे-राधे और जय श्री कृष्ण के जयघोष घुले, पूरा नर्मदा तट मानो वृंदावन की भक्ति में रंग उठा।भजन संध्या के दौरान श्रीकृष्ण की जन्म लीलाओं, बाल स्वरूप और उनके जीवन-दर्शन को संगीत एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया। कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े

प्रसंगों के माध्यम से यह संदेश भी दिया कि प्रेम, करुणा, सत्य, कर्तव्य और धर्म के मार्ग पर चलना ही मानव जीवन की सार्थकता है। श्रीकृष्ण केवल आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि जीवन को कर्म, विवेक और धर्म का मार्ग दिखाने वाले महान प्रेरणास्रोत भी हैं। उनके जीवन की लीलाएं समाज को यह सीख देती हैं कि विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखते हुए सत्य और कर्तव्य के पथ से विचलित नहीं होना चाहिए। भजन संध्या में उपस्थित श्रद्धालु देर रात तक कृष्ण भक्ति में डूबे रहे। मुंदग, ढोलक और अन्य वाद्य यंत्रों की संगत के बीच जब कलाकारों ने कृष्ण भजनों की प्रस्तुति दी, तो उपस्थित जनसमुदाय ने तालियों और जयघोष से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर दिखाई दिया। नर्मदा की शांत धारा और मंदिर से उठती भक्ति की स्वर लहरियों ने वातावरण को और भी अलौकिक बना दिया। आदिरंग समिति के युवा कलाकारों की इस पहल ने जन्माष्टमी के धार्मिक उत्सव को सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना से भी जोड़ा। आयोजन का उद्देश्य केवल भक्ति प्रस्तुत करना ही नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके संदेशों को समाज तक पहुंचाना भी रहा।भजन संध्या के समापन पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।



बटकेश्वर धाम में गूंजा जय कन्हैया लाल का जयघोष, धूमधाम से मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

शहपुरा। जिले के शहपुरा क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा स्थित प्रसिद्ध बटकेश्वर धाम में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व इस वर्ष भी श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के साथ ही बटकेश्वर धाम से जुड़े संतं भगवतीरि बच्चू बाबा जी का जन्मोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। धार्मिक आयोजन में दूर-दराज से पहुंचे शिष्य मंडल, भक्तगण और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।जन्माष्टमी के अवसर पर बटकेश्वर धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। भक्तों ने भगवान श्रीकृष्ण एवं भगतगिरी बच्चू बाबा जी का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद लिया। पूरे परिसर में भक्ति का वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने जय कन्हैया लाल के जयघोष के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया।

जन्मोत्सव कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण विशाल मटकी फोड़ प्रतियोगिता रही। बटकेश्वर धाम में प्रतिवर्ष जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ें। आयोजन में मटकी को काफ़ी ऊंचाई पर बांधा गया, जिसे फोड़ने के लिए गोविंदा दलों ने मानव पिरामिड बनाया। एक के ऊपर एक चढ़कर मटकी तक पहुंचने का प्रयास कर रहे युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। जैसे ही गोविंदा दल ने मटकी फोड़ी, पूरा परिसर जय कन्हैया लाल के जयघोष से गूंज उठा। प्रतियोगिता के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह और उमंग देखने को मिली।भगवान श्रीकृष्ण और भगतगिरी बच्चू बाबा जी के जन्मोत्सव में जिले के विभिन्न क्षेत्रों सहित दूर-दराज से भक्त एवं शिष्य मंडल पहुंचे। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी से बटकेश्वर धाम परिसर भक्तिमय नजर आया। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन होकर जन्मोत्सव का आनंद लिया। बटकेश्वर धाम में आयोजित यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन क्षेत्र की आस्था और परंपरा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। जन्माष्टमी पर आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रहती है, जिसमें हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते और प्रतियोगिता का उत्साह बढ़ाते हैं।

शिवनार नाले की क्षतिग्रस्त पुलिया मामले में पंचायत सचिव पर गिरी गाज, किया गया निलंबित

डिंडौरी। जनपद पंचायत करंजिया अंतर्गत ग्राम पंचायत सेनगुड़ा के ग्राम सरेहा में शिवनार नाले पर निर्मित पुलिया के क्षतिग्रस्त होने और आवागमन के लिए अनुपयोगी पाए जाने के मामले में जिला पंचायत डिंडौरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत सैनमुड़ा के सचिव शंकर आमों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चैधरी द्वारा जारी आदेश में पुलिया निर्माण कार्य में लापरवाही, निर्धारित मापदंडों के विपरीत कार्य कराने तथा वित्तीय अनियमितता किए जाने को कार्रवाई का आधार बनाया गया है। जारी आदेश के अनुसार ग्राम सरेहा में शिवनार नाले पर निर्मित पुलिया के क्षतिग्रस्त होने के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत की जांच के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत करंजिया द्वारा 27 अगस्त 2026 को मौके पर उपस्थित होकर जांच की गई। जांच के बाद प्रस्तुत रिपोर्ट में पुलिया निर्माण से संबंधित कई गंभीर अनियमितताएं सामने आने का उल्लेख किया गया है। जांच रिपोर्ट के मुताबिक ग्राम सरेहा में शिवनार नाले पर पुलिया निर्माण कार्य के लिए कुल 13.59 लाख रुपए स्वीकृत थी। इसमें 1.91 लाख रुपए मजदूरी मद तथा 11.68 लाख रुपए सामग्री मद के लिए स्वीकृत किए गए थे। आदेश में उल्लेख है कि इसके विरुद्ध ग्राम पंचायत सेनगुड़ा के सचिव शंकर आमों द्वारा मजदूरी मद में 1.86 लाख रुपए व्यय किए गए। वहीं पुलिया निर्माण कार्य में सामग्री मद से 9.39 लाख रुपए के देयकों का भुगतान किए जाने संबंधी जानकारी भी जांच में सामने आई। जांच में यह

भी पाया गया कि पुलिया निर्माण के लिए स्थल का चयन और स्वीकृति निर्धारित दिशा-निर्देशों के विपरीत किए जाने का आरोप है। साथ ही पुलिया का निर्माण निर्धारित मानक एवं मापदंडों के अनुसार नहीं कराए जाने के कारण वह क्षतिग्रस्त हो गई। कारण बताओ नोटिस का जवाब भी संतोषजनक नहीं मिला जिला पंचायत के आदेश में बताया गया है कि सचिव शंकर आमों की कार्यप्रणाली को शासकीय पदीय दायित्वों के निर्वहन के प्रति लापरवाही और वित्तीय अनियमितता के रूप में देखा गया। मामले में उन्हें पहले 28 अगस्त 2026 को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। सचिव द्वारा इसका जवाब 1 सितंबर 2026 को प्रस्तुत किया गया, लेकिन जांच के बाद अधिकारियों ने जवाब को संतोषजनक नहीं माना और उससे मामले का समाधानकारक निराकरण नहीं पाया गया।पंचायत सेवा आचरण नियमों के तहत कार्रवाई आदेश में कहा गया है कि सचिव शंकर आमों का कृत्य अनुशासनहीनता एवं पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही तथा कर्तव्य के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। इसे मध्यप्रदेश पंचायत सेवा आचरण नियम 1998 के नियम 3 के उल्लंघन की श्रेणी में माना गया है। इसके आधार पर मध्य प्रदेश पंचायत सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम 1999 के नियम-4 के तहत शंकर आमों, सचिव ग्राम पंचायत सेनगुड़ा जनपद पंचायत करंजिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। आदेश के अनुसार निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी तथा निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जनपद पंचायत करंजिया निर्धारित किया गया है।

55 वर्षीय वृद्ध की कुल्हाड़ी से निर्मम हत्या

कोतमा। थाना अंतर्गत गोडारू गांव में गुरुवार को 55 वर्षीय आदिवासी स्वामी सिंह गोंड की कुल्हाड़ी से हमला कर निर्मम हत्या किये जाने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल एवं पुलिस टीम मौके पर पहुंच जांच कर रही है। हत्या की धाराओं में मामला दर्ज कर पुलिस की

3 टीम संभाग में सक्रिय है। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल ने बताया कि आरोपी की तलाश में 3 टीम सक्रिय है जिसे जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। जानकारी के अनुसार स्वामी सिंह गोंड सुबह मवेशी चराने जंगल की ओर गया था। कुल्हाड़ी से कई बार कर निर्मम हत्या कर दी गई। धारदार हथियार से आई चोट और अत्यधिक रक्तस्राव के चलते घटनास्थल पर ही

मौत हो गई।पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच करते हुए फॉरेंसिक टीम की मदद से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर एसडीओपी आरती शाय्य पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए जल्द ही मामले का खुलासा करने के निर्देश दिए।



खबर संक्षेप

मनमोहती है राधा कृष्ण की अद्भुत छवि



तेंदूखेड़ा। योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण राधा रानी के मंदिरों में छवियां मनमोह लेती हैं। इन्हीं में से एक समीपी ग्राम इगमंडिरा में दीवान परिवार द्वारा बनवाए गए इस प्राचीन मंदिर में विराजमान राधाकृष्ण की छवि जनाकर्षण का केंद्र बनी हुई है। जन्माष्टमी पर विविध धार्मिक आयोजन यहां पर हुआ करते हैं। ग्राम के सभी वर्गों के लोग मिलकर भजन कौन कर जन्मोत्सव मनाते हैं। प्रतिदिन पूजन अर्चन के साथ रात्रि में आरती के समय श्रद्धालु उपस्थित हुआ करते हैं। पूर्वजों द्वारा बनवाए गए इस मंदिर की छवि और कलाकृति अलग ही है। वर्तमान में दीवान परिवार द्वारा ही इस मंदिर का जर्गनकार किया जा रहा है।

अधेड़ ने लगाई फांसी, हुई मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना कोतवाली क्षेत्र के पाठक वार्ड में अधेड़ द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्मदा प्रसाद कुशवाहा पिता रामलाल कुशवाहा उम्र 45 वर्ष निवासी पाठक वार्ड कांछी मोहल्ला नरसिंहपुर द्वारा अपने ही घर पर अज्ञात कारणों से फांसी लगाई गई जिसे परिजनों द्वारा गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार शव का परीक्षण करार कर परिजनों को सौंपा दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सेवानिवृत्त डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ जिला समिति ने मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम कलेक्टर को सात सूत्रीय लखित मांगों के निराकरण को लेकर ज्ञापन सौंपा। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि सेवकाल में दिए गए योगदान को ध्यान में रखते हुए उनकी व्यापेचित मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार कर शीघ्र निर्णय लिया जाए।

श्रीनगर में धूमधाम से निकाली भव्य शोभायात्रा, जयकारों से गूंजा नगर



श्रीनगर। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी के पावन अवसर पर गोटेगांव तहसील के ग्राम श्रीनगर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत नजारा देखने को मिला। जन्माष्टमी के अवसर पर गांव में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें0 श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। शोभायात्रा के दौरान पूरा श्रीनगर भगवान कृष्ण के जयकारों और भजनों से गूंज उठा। शोभायात्रा का शुभारंभ जगदीश मंदिर से हुआ। श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या के साथ शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए

आगे बढ़ी। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया तथा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं जलपान की व्यवस्था की। धार्मिक आयोजन में महिला, पुरुष, युवा और बच्चे उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस अवसर पर परमहंसी गंगा आश्रम से ब्रह्मचारी अचलानंद महाराज भी शोभायात्रा में शामिल हुए। ब्रह्मचारी जी के शामिल होने से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्होंने अपने हाथों से भक्तों को प्रसाद का वितरण किया। श्रद्धालुओं ने ब्रह्मचारी अचलानंद महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया और भगवान

श्रीकृष्ण की आराधना की।

40 वर्ष पुरानी परंपरा आज भी कायम, पांच लोगों ने शुरु की थी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शोभायात्रा*

श्रीनगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर निकाली जाने वाली भव्य शोभायात्रा की परंपरा करीब 40 वर्ष पूर्व पांच लोगों द्वारा शुरू की गई थी, जिसका निर्वहन आज भी पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ किया जा रहा है। समय के साथ यह आयोजन श्रीनगर की

धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। समिति के संस्थापक सदस्य मुन्नालाल यादव एवं उमेश अवस्थी ने बताया कि इस शोभायात्रा की शुरुआत की ब्रह्मलीन जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज के आशीर्वाद से प्रारंभ हुई इस धार्मिक परंपरा को आज भी पूरी श्रद्धा के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि हर वर्ष जन्माष्टमी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शोभायात्रा में शामिल होते हैं। विभिन्न वर्गों के लोग उत्साह और भक्ति के साथ आयोजन में सहभागिता करते हैं। पुरानी परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और धार्मिक एकता एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखने में यह आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जगह-जगह बांधी गई मटकी, युवाओं ने दिखाया उत्साह*

श्रीनगर में अवसर पर शोभायात्रा के दौरान जगह-जगह मटकी बांधने का आयोजन भी किया गया। युवाओं की टोलियों ने उत्साह और उमंग के साथ मटकी फोड़ने में हिस्सा लिया। जैसे ही युवाओं ने मटकी फोड़ी, उपस्थित लोगों ने भगवान

श्रीकृष्ण के जयकारे लगाकर उत्साह बढ़ाया। मटकी फोड़ कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए।

मजनों से भक्तिमय हुआ माहौल

शोभायात्रा में रामधुन मंडल के सदस्यों ने भगवान श्रीकृष्ण के भजनों और धार्मिक गीतों का गायन किया। भजनों की मधुर धुनों के बीच श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए। ढोल-नगाडों और भगवान के जयकारों के साथ निकली शोभायात्रा ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

शोभायात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा प्रसाद वितरण किया गया। लोगों ने उत्साहपूर्वक शोभायात्रा में शामिल भक्तों का स्वागत किया। शोभायात्रा नगर के मुख्य-मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः जगदीश मंदिर पहुंची, जहां धार्मिक वातावरण में शोभायात्रा का समापन किया गया। जन्माष्टमी के इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही। पूरे आयोजन के दौरान श्रीनगर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर नजर आया।

बालरंग प्रतियोगिता में बरहटा के विद्यार्थियों ने मारी बाजी, कई विधाओं में प्रथम स्थान



गोटेगांव। लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देश पर सांदिपनी विद्यालय गोटेगांव में विकासखंड स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा के विद्यार्थियों ने विभिन्न विधाओं में प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया।हिंदी निबंध प्रतियोगिता में कक्षा 10वीं की कु. तेजस्वी प्रजापति, लोकगीत गायन में कु. नीलम श्रीपाल, कु. अनुष्का मेहरा (कक्षा 10वीं) एवं कु. नेहा कटार (कक्षा 11वीं), योग में अनिल कुमार

चौधरी (कक्षा 10वीं), वेद संस्कृत पाठ में वेदांत गिरदैनिया (कक्षा 11वीं), हिंदी कविता पाठ में कु. नीलम श्रीपाल तथा प्रश्नोत्तरी में आरिफ बहना (कक्षा 11वीं) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अब ये सभी विद्यार्थी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। विद्यार्थियों की सफलता पर प्रभारी बीईओ डी.एल. कर्नरिया, प्राचार्य जी.एस. पटेल एवं समस्त स्टाफ ने बधाई दी। विद्यार्थियों को शिक्षक राजेश सिंगोतिया, शंकर राजभर और नीतू गोस्वामी ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

महज 150 मीटर सड़क ना बन पाने से मरीजों को हो रही परेशानी

आये दिन शिकायतों के बाबजूद सुध नहीं ले रहा प्रशासन

तेंदूखेड़ा। रोटी कपड़ा और मकान की पहली प्राथमिकता के बाद स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों महत्वपूर्ण पहलू हैं इनमें भी सबसे पहले स्वास्थ्य सुविधाओं को ही पहले प्रायदान पर रखना पड़ता है। ऐसा ही एक उदाहरण चांचरपाठा विकासखंड के समीपी प्रतिष्ठित ग्राम डोभी में सामने आया है। जहां शासन ने लाखों रुपए खर्च करके हाल ही में नवीन अस्पताल तो बनवा दिया है लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए मरीजों को अपनी सेहत बीमारी का इलाज कराने के लिए दुर्गम सड़क से होकर जाना पड़ता है।

यहां तक जाने के लिए पक्का सड़क मार्ग नहीं बन सका है। जिस कारण से बरसात के मौसम में अस्पताल तक जाने कच्चे कीचड़ युक्त सड़क से बड़े-बड़े गड्ढों से आना जाना पीड़ित मरीजों की मजबूरी बना हुआ है।आने वाले मरीजों अस्पताल स्टाफ और ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हमारे प्रतिनिधि को ग्रामीणों ने बताया कि सड़क कि स्थिति खराब होने के कारण दोपहिया वाहन चालक आए दिन फिसलकर गिरते हैं। इस मार्ग पर कई बार दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी हैं।



ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की समस्या बनी हुई है। लेकिन न तो मार्ग पर पर्याप्त मुरम डाली जा रही है।और न ही अब तक पक्की सड़क का निर्माण हो सका है।सबसे अधिक



जन्माष्टमी पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

नंदलाला को लगा पंजरी का भोग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को सम्पूर्ण जिले जन्माष्टमी पर्व पर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। लोगो द्वारा भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां पूर्व से ही प्रारंभ कर दी गई थी। गत दिवस जन्माष्टमी पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नंद बाबा के लाल को पकवानो व पंजरी का भेग लगाया गया। वही नगर के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें मटकी फोड़ प्रतियोगिता, ढोल बाजे के साथ झांकी निकाली गई, जन्माष्टमी के आयोजन देर रात तक चलते रहे। सम्पूर्ण जिले मे विभिन्न आयोजन किये गये। देर रात तक नंद लाला के जयकारे लगते रहे। जन्माष्टमी के चलते बाजार में भी चहल - पहल अनवरत बनी रही। वही नगर में अनेका स्थानों पर पूजन समग्री की दुकानों लगी हुई थी।



मंदिरों मे रही मीड़

जन्माष्टमी पर नगर के सभी कृष्ण मंदिरों काफी भीड़ रही। प्रातः काल से भक्तो का मंदिर आगमन प्रारंभ हो चुका था जो देर रात तक जारी रहा। मंदिरों भी विशेष साज सज्जा की गई एवं पूरी रात्रि सांक्रुतिक कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर जारी रहा। लोगो द्वारा बड़ी धूमधाम से भगवान नंदलाल का जन्मोत्सव मनाया गया। भगवान की दुध, दही, मिश्री, पंजरी, फल - फूल व मिठाइयों का भोग लगाया गया। वही आयोजन समितियों द्वारा विविध

कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। जिसमें स्थानीय लोगों द्वारा पूरी श्रद्धा भाव के साथ सहयोग कर भाग लिया। वही जन्माष्टमी पर देर रात तक मंदिरों में भीड़ अनवरत बनी रही तथा जगह - जगह पर आयोजन चलते रहे।

राधा कृष्ण सज्जा प्रतियोगिता आयोजित

सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर राधा कृष्ण रूप में सज्जा



प्रतियोगिता का आयोजन श्रीमती सुषमा मिश्रा सेवानिवृत्त उच्च श्रेणी शिक्षक, श्रीमती भारती कौरव भारत विकास परिषद प्रांत महिला सहभागिता प्रमुख, संस्था प्राचार्य हरि ओम शरण कोरी की उपस्थिति में किया गया। राधा कृष्ण के रूप में सुसज्जित छात्र-छात्राओं का पूजन अतिथियों द्वारा किया गया श्रीकृष्ण गोकुलम एवं राधा कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में यथार्थ दुबे, शाश्वत यादव, आरवी अग्रवाल, आन्या यादव, आदि ने राधा कृष्ण के रूप में सज्जित होकर यथार्थ अनुभूति का

जन्मोत्सव को लेकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर विद्यालयों में विद्यार्थियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, माखन-मटकी फोड़, रासलीला एवं गीता उपदेश पर आधारित आकर्षक झांकियां सजाई गईं। झांकियों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके संदेशों का सुंदर और सजीव चित्रण किया गया। छात्र-छात्राओं ने श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित नाटक, नृत्य एवं भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। राधा-कृष्ण की आकर्षक वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों ने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय परिसरों में भक्ति एवं उत्सव का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों, कर्तव्यबोध एवं संस्कारों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य, कर्तव्य, कर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित इन कार्यक्रमों ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ उनमें रचनात्मकता, संस्कार और सांस्कृतिक चेतना का भी संचार किया।

जिला अस्पताल में शुद्ध पेयजल की जगह गंदगी



हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला चिकित्सालय परिसर में पेयजल के नलों के आसपास गंदगी और जलभराव की स्थिति बनी हुई है। जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से नलों के पास पानी जमा रहता है, जिससे फशं पर काई जमने के साथ दुर्गंध की स्थिति बनी हुई है। पेयजल स्थल के समीप कचरा भी पड़ा रहता है। अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीज और उनके परिजन इसी स्थान से पानी लेने को मजबूर हैं। गंदगी और जलभराव के कारण संक्रमण का खतरा बना हुआ है। मरीजों के परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल की स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए पेयजल स्थल की नियमित सफाई और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है। गंदगी का कहना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील परिसर में स्वच्छ पेयजल और साफ-सफाई की व्यवस्था प्राथमिकता से सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मां नर्मदा का हुआ कृष्ण स्वरूप श्रृंगार, दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गोटेगांव। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर पटेल वार्ड स्थित मां नर्मदा मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का मनमोहक वातावरण देखने को मिला। मंदिर में विराजमान मां नर्मदा मैया की भव्य प्रतिमा का विशेष रूप से कृष्ण स्वरूप श्रृंगार किया गया। आकर्षक वस्त्र, आभूषण और मनमोहक सजावट से सुसज्जित मां नर्मदा मैया की प्रतिमा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

कृष्ण स्वरूप में मां नर्मदा मैया के दर्शन के लिए सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। जैसे-जैसे दिन बढ़ता गया, मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ बढ़ती गई। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर मां नर्मदा मैया के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं सुखहाली की कामना की।

मजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ वातावरण

जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजन-अर्चन के साथ मजन-कीर्तन का आयोजन भी किया गया। मजन मंडलियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और भक्ति से जुड़े मजनों की प्रस्तुति दी गई। मजनों की मधुर धुन और जयकारों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर भगवान श्रीकृष्ण और मां नर्मदा मैया का गुणगान करते नजर आए।

श्रद्धालुओं ने मनाया जन्मोत्सव

रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के समय श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए और पूजा-अर्चना कर जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। जन्माष्टमी पर मां नर्मदा मैया का कृष्ण स्वरूप श्रृंगार देखने पहुंचे श्रद्धालुओं ने आयोजन की सराहना की। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक उल्लास और श्रद्धा का वातावरण बना रहा।

